अध्याय–11 | प्रकाश, छाया एवं परावर्तन

QUIZ-01

1. **स्वयं प्रकाश उत्सर्जित करने वाला पिंड कौन-सा है?**
   A. चंद्रमा
   B. सूर्य
   C. दर्पण
   D. शुक्र ग्रह (B)

व्याख्या : सूर्य स्वयं प्रकाश उत्सर्जित करता है, इसलिए यह दीप्त पिंड है।

2. **प्रकाश सामान्यतः किस पथ पर गमन करता है?**
   A. सरल रेखा
   B. वृत्ताकार पथ
   C. टेढ़ा पथ
   D. अनियमित पथ (A)

व्याख्या : प्रकाश सामान्यतः सरल रेखा में गमन करता है।

3. **प्रकाश को आंशिक रूप से गुजरने देने वाला पदार्थ कहलाता है—**
   A. पारदर्शी
   B. अपारदर्शी
   C. पारभासी
   D. दीप्त (C)

व्याख्या : पारभासी पदार्थ से प्रकाश का केवल कुछ भाग गुजरता है।

4. **स्पष्ट छाया बनाने के लिए क्या आवश्यक है?**
   A. केवल पर्दा
   B. केवल प्रकाश स्रोत
   C. केवल पारदर्शी वस्तु
   D. प्रकाश स्रोत, अपारदर्शी वस्तु और पर्दा (D)

व्याख्या : अपारदर्शी वस्तु प्रकाश रोकती है और पर्दे पर छाया बनती है।

5. **वस्तु को टॉर्च के पास लाने पर उसकी छाया कैसी होती है?**
   A. छोटी
   B. बड़ी
   C. गायब
   D. रंगीन (B)

व्याख्या : प्रकाश स्रोत के पास रखने पर वस्तु अधिक प्रकाश रोकती है, इसलिए छाया बड़ी बनती है।

6. **दर्पण से टकराकर प्रकाश की दिशा बदलना कहलाता है—**
   A. अवशोषण
   B. संचरण
   C. परावर्तन
   D. छाया निर्माण (C)

व्याख्या : दर्पण प्रकाश को परावर्तित करके उसकी दिशा बदल देता है।

7. **समतल दर्पण में बना प्रतिबिंब कैसा होता है?**
   A. सीधा और समान आकार का
   B. उल्टा और बड़ा
   C. सीधा और छोटा
   D. उल्टा और छोटा (A)

व्याख्या : समतल दर्पण में प्रतिबिंब सीधा तथा वस्तु के समान आकार का बनता है।

8. **दर्पण में बायाँ भाग दायाँ दिखाई देना कहलाता है—**
   A. अपवर्तन
   B. परावर्तन
   C. ऊर्ध्व उत्क्रमण
   D. पार्श्व उत्क्रमण (D)

व्याख्या : दर्पण में बाएँ-दाएँ का उलटा दिखाई देना पार्श्व उत्क्रमण है।

9. **सूचीछिद्र कैमरे में प्रतिबिंब कैसा बनता है?**
   A. सीधा
   B. पार्श्व उत्क्रमित
   C. ऊर्ध्वाधर उल्टा
   D. केवल धुँधला (C)

व्याख्या : प्रकाश के सरल रेखीय गमन के कारण सूचीछिद्र कैमरे में उल्टा प्रतिबिंब बनता है।

10. **परिदर्शी में वस्तु देखने का आधार क्या है?**
    A. प्रकाश का अवशोषण
    B. क्रमिक परावर्तन
    C. छाया निर्माण
    D. प्रकाश का संचरण (B)

व्याख्या : परिदर्शी के दो दर्पणों से प्रकाश का क्रमिक परावर्तन होकर वह आँखों तक पहुँचता है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App